‘दर्शन और मनन’ की तृतीय गोष्ठी

रविवार, १५ नवम्बर, २०२०

आत्मीय पाठकगण,

भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

सिद्धयोग पथ पर हमें नए आरम्भ प्रिय हैं। श्रीगुरुमाई ने प्रायः कहा है कि अनेकानेक देशों में, विभिन्न संस्कृतियों के लोग सिद्धयोग का अभ्यास करते हैं, इसलिए यह हमारा महान सद्‌भाग्य है कि हमें बहुत सारे नववर्ष मनाने का अवसर प्राप्त है।

मैंने गुरुमाई जी से सीखा है कि जब कोई चीज़ बिलकुल नई होती है तो उसमें एक विशेष शक्ति होती है। उसमें ताज़गी होती है। उसमें रोमांच होता है। उसमें हर्ष होता है। उसमें उल्लास होता है। वह आपको नई खोज करने के लिए प्रेरित करती है। उसमें ऐसी सुगन्ध होती है जो आपकी सत्ता की हर कोशिका को जागृत कर देती है। इसी प्रकार, नए आरम्भ के समय आपका मन ताज़गी महसूस करता है और आपका भाव ऐसी नवीनता व स्फूर्ति से भर जाता है जिससे आप और भी महान प्राप्ति कर सकते हैं।

एक बार फिर, मैं आपको नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देना चाहती हूँ। नूतन वर्षाभिनन्दन। साल मुबारक।

सिद्धयोग अभ्यास ‘दर्शन और मनन’ की अगली सिद्धयोग गोष्ठी का केन्द्रण होगा—‘भगवान’ के और दो गुण। इस गोष्ठी की जानकारी इस प्रकार है :

तारीख़ : शनिवार, २१ नवम्बर, २०२०
समय : शाम ७:१५ से ८:३० बजे तक, ईस्टर्न स्टैन्डर्ड टाइम [यू. एस. ए.]
स्थान : सिद्धयोग वैश्विक हॉल [सिद्धयोग पथ की वेबसाइट के माध्यम से]

शनिवार, १४ नवम्बर को हेदर विलियम्स् ने ‘भगवान : समग्र ऐश्वर्य और धर्म’ के विषय में जो वार्ता दी थी उसमें से ‘भगवान’ के पहले दो गुणों के बारे में पढ़ें।

ऐसी शुभकामना है कि इस सप्ताह के हर दिन आपको नएपन की अनुभूति हो और वह आपको भरपूर ताज़गी से भर दे।

आदर सहित,

गौरी मौरर
'दर्शन और मनन' की प्रबन्ध निदेशक
एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।